Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________
(In words)

N 0 2 0 1 7

PAPER - II
HINDI

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

हिन्दी

प्रश्नपत्र – II

निर्देश : इस प्रश्नपत्र में **पचास (50)** बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. निम्नलिखित में से किस भाषा का विकास शौरसेनी अपभ्रंश से हुआ ?

(1) गुजराती (2) पंजाबी (3) मराठी (4) सिन्धी

2. 'शिवसिंह-सरोज' का प्रकाशन कब हुआ ?

(1) 1862 ई. (2) 1870 ई. (3) 1883 ई. (4) 1888 ई.

3. आदिकालीन काव्यग्रंथों में कथा कहने की परंपरा को लक्ष्य करके 'पृथ्वीराज रासो' के संदर्भ में किस आलोचक ने लिखा है – ''कथा की परीक्षा इतिहास की दृष्टि से नहीं, काव्य की दृष्टि से होनी चाहिए। पुरानी कथाएँ काव्य ही अधिक हैं, इतिहास वे एकदम नहीं हैं।''

(1) मुनि जिनविजय (2) राहुल सांकृत्यायन

(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी (4) विश्वनाथप्रसाद मिश्र

4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के अनुसार चौदहवीं–पन्द्रहवीं शताब्दी के हिन्दुओं–मुसलमानों, सामंतों, शहरों, सेना के सिपाहियों और लड़ाइयों का जीवंत और यथार्थ वर्णन किस कृति में हुआ है ?

(1) हम्मीर काव्य (2) कीर्तिकौमुदी (3) कीर्तिपताका (4) कीर्तिलता

5. 'सगुनहि अगुनहि नहिं कछु भेदा' – इस तथ्य को तुलसीदास ने किसके द्वारा कहलवाया है ?

(1) शिव (2) काग भुसुंडि

(3) भरद्वाज (4) तुलसीदास की स्वयं की उक्ति

6. वल्लभाचार्य की मृत्यु के बाद किसने कहा था – 'पुष्टिमार्ग का जहाज जात है सो जाको कछु लेना हो सो लेउ।'

(1) सूरदास (2) नन्ददास (3) छीत स्वामी (4) विट्ठलनाथ

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

7. "'सूरसागर' में जगह-जगह दृष्टिकूट वाले पद मिलते हैं। यह भी विद्यापति का अनुकरण है।"

सूरदास से संबंधित उक्त विचार किस आलोचक का है?

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी (2) बृजेश्वर वर्मा (3) रामचंद्र शुक्ल (4) हरवंशलाल शर्मा

8. "हय रथ पालकी गयंद गृह ग्राम चारु

आखर लगाय लेत लाखन के सामा हौं।"

यह उक्ति किस कवि की है?

(1) मतिराम (2) देव (3) कुलपति मिश्र (4) पद्माकर

9. "सावन आवन हेरि सखी, मनभावन-आवन-चोप बिसेखी।

छाए कहूँ घन आनंद जान सम्हारि की ठौर लै भूलनि लेखी।

बूँदें लगैं सब अंग दगैं उलटी गति आपने पापनि पेखी।

पौन सों जागति आगि सुनी ही पै पानि तें लागति आँखिन देखी।।"

इस सवैया में विरहिणी नायिका की किस मन:स्थिति का चित्रण किया गया है?

(1) पुलक (2) मार्मिक स्थिति (3) रोमांच (4) संकोच

10. "प्रिय की सुधि - सी ये सरिताएँ, ये कानन कांतार सुसज्जित।

मैं तो नहीं, किंतु है मेरा हृदय किसी प्रियतम से परिचित।

जिसके प्रेमपत्र आते हैं प्राय: सुख-संवाद - सन्निहित।"

उपर्युक्त काव्य पंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(1) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' (2) रामनरेश त्रिपाठी

(3) मैथिलीशरण गुप्त (4) लाला भगवानदीन

11. 'नाटक जारी है' काव्य-संग्रह के रचयिता हैं :

(1) श्रीकांत वर्मा (2) चंद्रकांत देवताले (3) धूमिल (4) लीलाधर जगूड़ी

12. निम्नलिखित में से 'आग और राग' का कवि किसे कहा जाता है?

(1) दिनकर (2) निराला (3) पंत (4) प्रसाद

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

13. 'विश्वनाथ प्रसाद' निम्नलिखित में से किस उपन्यास का पात्र है?

(1) दीर्घतपा (2) कितने चौराहे (3) मैला आँचल (4) परती परिकथा

14. बाल, वय: संधि और किशोर मन का मनोवैज्ञानिक अंकन किस उपन्यास में हुआ है?

(1) जयवर्धन (2) शेखर : एक जीवनी (3) संन्यासी (4) संघर्ष

15. 'अ-कहानी' के प्रमुख प्रवक्ता हैं -

(1) गंगाप्रसाद विमल (2) महीप सिंह (3) मधुकर सिंह (4) शिवप्रसाद सिंह

16. निम्नलिखित में से कौन-सा नाटक प्रेमचन्द का है?

(1) जय पराजय (2) रुपया तुम्हें खा गया (3) कृष्णार्जुन युद्ध (4) कर्बला

17. हजारीप्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित निबंध संग्रह नहीं है :

(1) नाथ संप्रदाय (2) प्रबंध प्रभाकर (3) साहित्य का मर्म (4) लालित्य मीमांसा

18. 'प्रगतिवाद' शीर्षक पुस्तक के लेखक हैं -

(1) रामविलास शर्मा (2) रांगेय राघव (3) शिवकुमार मिश्र (4) शिवदान सिंह चौहान

19. ''त्रितयमिदं व्याप्रियते शक्तिर्व्युत्पत्तिरभ्यास:'' - यह कथन किस आचार्य का है?

(1) भामह (2) रुद्रट (3) मम्मट (4) जयदेव

20. निम्नलिखित में से कौन-सा वक्रोक्ति का भेद नहीं है?

(1) उक्ति विन्यास वक्रता (2) वर्ण विन्यास वक्रता (3) पद पूर्वार्ध वक्रता (4) प्रकरण वक्रता

21. जन्म-काल की दृष्टि से निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) नानक, कबीर, सुन्दरदास, दादू (2) कबीर, नानक, दादू, सुन्दरदास

(3) कबीर, दादू, नानक, सुन्दरदास (4) नानक, सुन्दरदास, कबीर, दादू

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

22. रचनाकाल की दृष्टि से निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है :

(1) शिवराजभूषण, ललितललाम, पद्माभरण, नवरसतरंग

(2) नवरसतरंग, शिवराजभूषण, ललितललाम, पद्माभरण

(3) पद्माभरण, ललितललाम, शिवराजभूषण, नवरसतरंग

(4) ललितललाम, शिवराजभूषण, पद्माभरण, नवरसतरंग

23. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) मैथिलीशरण गुप्त, श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(2) श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी, मैथिलीशरण गुप्त, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

(3) रामनरेश त्रिपाठी, श्रीधर पाठक, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, मैथिलीशरण गुप्त

(4) श्रीधर पाठक, मैथिलीशरण गुप्त, रामनरेश त्रिपाठी, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

24. जन्मकाल के अनुसार निम्नलिखित कवियों का सही अनुक्रम है :

(1) बच्चन, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, मुक्तिबोध

(2) बच्चन, अज्ञेय, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय

(3) अज्ञेय, बच्चन, मुक्तिबोध, रघुवीर सहाय

(4) अज्ञेय, बच्चन, रघुवीर सहाय, मुक्तिबोध

25. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित आत्मकथाओं का सही अनुक्रम है :

(1) नीड़ का निर्माण फिर, जूठन, शिकंजे का दर्द, अपनी खबर

(2) अपनी खबर, नीड़ का निर्माण फिर, जूठन, शिकंजे का दर्द

(3) जूठन, शिकंजे का दर्द, अपनी खबर, नीड़ का निर्माण फिर

(4) शिकंजे का दर्द, अपनी खबर, नीड़ का निर्माण फिर, जूठन

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

26. प्रकाशन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित कहानी संग्रहों का सही अनुक्रम है :

(1) शरणार्थी, परिन्दे, कामरेड का कोट, डायन

(2) डायन, कामरेड का कोट, परिन्दे, शरणार्थी

(3) परिन्दे, शरणार्थी, डायन, कामरेड का कोट

(4) कामरेड का कोट, डायन, शरणार्थी, परिन्दे

27. कुबेरनाथ राय के निबंध संग्रहों का प्रकाशन वर्ष के अनुसार सही अनुक्रम है :

(1) कामधेनु, मराल, आगम की नाव, गंधमादन

(2) गंधमादन, कामधेनु, मराल, आगम की नाव

(3) मराल, आगम की नाव, गंधमादन, कामधेनु

(4) आगम की नाव, गंधमादन, कामधेनु, मराल

28. प्रकाशन वर्ष की दृष्टि से प्रसाद के नाटकों का सही अनुक्रम है :

(1) सज्जन, विशाख, जनमेजय का नागयज्ञ, ध्रुवस्वामिनी

(2) विशाख, ध्रुवस्वामिनी, सज्जन, जनमेजय का नागयज्ञ

(3) जनमेजय का नागयज्ञ, सज्जन, ध्रुवस्वामिनी, विशाख

(4) ध्रुवस्वामिनी, जनमेजय का नागयज्ञ, सज्जन, विशाख

29. रससूत्र के व्याख्याकारों का सही अनुक्रम है :

(1) भट्टनायक, भट्टलोल्लट, शंकुक, अभिनवगुप्त

(2) भट्टलोल्लट, शंकुक, अभिनवगुप्त, भट्टनायक

(3) भट्टलोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त

(4) शंकुक, भट्टलोल्लट, भट्टनायक, अभिनवगुप्त

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

30. निम्नलिखित ग्रंथों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम है :

(1) आलोचना के मान, रसमीमांसा, नयी कविता, नयी कविता और अस्तित्ववाद

(2) रसमीमांसा, आलोचना के मान, नयी कविता, नयी कविता और अस्तित्ववाद

(3) रसमीमांसा, नयी कविता, आलोचना के मान, नयी कविता और अस्तित्ववाद

(4) नयी कविता और अस्तित्ववाद, नयी कविता, आलोचना के मान, रसमीमांसा

31. निम्नलिखित लेखकों को उनकी रचनाओं के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I	**सूची – II**
(a) विजयसेन सूरि	(i) रेवन्तगिरि रास
(b) नरपति नाल्ह	(ii) भरतेश्वर बाहुबली रास
(c) शालिभद्र सूरि	(iii) बीसलदेव रासो
(d) आसगु	(iv) चन्दनबाला रास
	(v) योगचर्या

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(v)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(v)
(4)	(v)	(iv)	(i)	(iii)

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

32. निम्नलिखित संप्रदायों को उनके प्रवर्तकों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(a) श्री-संप्रदाय	(i) मध्वाचार्य
(b) ब्राह्म संप्रदाय	(ii) विष्णुस्वामी
(c) रुद्र-संप्रदाय	(iii) रामानुजाचार्य
(d) सनकादि संप्रदाय	(iv) वल्लभाचार्य
	(v) निम्बार्काचार्य

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(v)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(v)

33. निम्नलिखित प्रबंधकाव्यों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(a) चंडीचरित्र	(i) कुलपति मिश्र
(b) द्रोणपर्व (संग्राम सार)	(ii) रामसिंह
(c) सुजान चरित	(iii) गोविंद सिंह
(d) हिम्मतबहादुर विरुदावली	(iv) सूदन
	(v) पद्माकर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(2)	(iv)	(v)	(i)	(iii)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(v)

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

34. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	प्रेमवाटिका	(i)	रसखान
(b)	कवित्तरत्नाकर	(ii)	सेनापति
(c)	रसरतन	(iii)	पुहकर कवि
(d)	तिलशतक	(iv)	मुबारक
		(v)	कादिर

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(i)	(v)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(v)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(v)	(ii)	(i)

35. निम्नलिखित रचनाओं को उनके रचयिताओं के साथ सुमेलित कीजिए :

	सूची - I		**सूची - II**
(a)	वनबेला	(i)	रामनरेश त्रिपाठी
(b)	उत्तरा	(ii)	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(c)	परिक्रमा	(iii)	सुमित्रानंदन पंत
(d)	चित्राधार	(iv)	महादेवी वर्मा
		(v)	जयशंकर प्रसाद

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(v)
(3)	(iii)	(v)	(iv)	(ii)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(v)

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

36. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों को उनके रचनाकारों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(a) प्रिय स्वतंत्र रव अमृत मंत्र नव भारत में भर दे।	(i) जयशंकर प्रसाद
(b) इस पार प्रिये मधु है तुम हो उस पार न जाने क्या होगा।	(ii) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
(c) अरे कहीं देखा है तुमने मुझे प्यार करने वाले को	(iii) हरिवंशराय बच्चन
(d) यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो।	(iv) महादेवी वर्मा
	(v) सुमित्रानंदन पंत

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

37. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध उपन्यासों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(a) जयदेव पुरी	(i) बलचनमा
(b) चंद्रमाधव	(ii) झूठा-सच
(c) फूल बाबू	(iii) नाच्यो बहुत गोपाल
(d) निर्गुनिया	(iv) नदी के द्वीप
	(v) सूरज का सातवां घोड़ा

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(4)	(v)	(iii)	(iv)	(ii)

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

38. निम्नलिखित पात्रों को उनसे संबद्ध कहानियों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(a) आनंदी	(i) मंत्र
(b) दीनदयाल	(ii) सवासेर गेहूँ
(c) डॉ. जयपाल	(iii) जुलूस
(d) शंकर	(iv) बड़े घर की बेटी
	(v) मूठ

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(iv)	(iii)	(v)	(ii)
(3)	(iii)	(i)	(ii)	(v)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

39. निम्नलिखित रचनाओं को उनके नाट्य रूपों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची - I	**सूची - II**
(a) चन्द्रावली	(i) गीतिनाट्य
(b) विषस्य विषमौषधम्	(ii) एकांकी
(c) एक घूँट	(iii) भाण
(d) करुणालय	(iv) नाटिका
	(v) प्रहसन

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(v)
(4)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

40. निम्नलिखित आचार्यों को उनके ग्रंथों के साथ सुमेलित कीजिए :

सूची – I	**सूची – II**
(a) अभिनवगुप्त	(i) सरस्वतीकण्ठाभरण
(b) राजशेखर	(ii) ध्वन्यालोकलोचन
(c) महिम भट्ट	(iii) काव्यप्रकाश
(d) भोजराज	(iv) काव्यमीमांसा
	(v) व्यक्तिविवेक

कोड :

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iv)	(v)	(i)	(iii)
(2)	(iii)	(ii)	(v)	(i)
(3)	(ii)	(iv)	(v)	(i)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

निर्देश : प्रश्न संख्या **41** से **45** तक के प्रश्नों में दो कथन दिए गए हैं। इनमें से एक **स्थापना (Assertion) (A)** है और दूसरा **तर्क (Reason) (R)** है। कोड में दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

41. **स्थापना (Assertion) (A) :** कविता आत्म प्रकाशन है, जो केवल कवि के हृदय को आनन्द प्रदान करती है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए कविता को कवि की आत्मा का आलोक माना गया जो समस्त लोक को प्रकाशित करता है।

कोड :

(1) **(A)** सही **(R)** गलत

(2) **(A)** गलत **(R)** सही

(3) **(A)** सही **(R)** सही

(4) **(A)** गलत **(R)** गलत

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

42. **स्थापना** (Assertion) (A) : साहित्य समाज के सामूहिक हृदय का विकास है।

तर्क (Reason) (R) : इसीलिए समाज में रहने वाले विभिन्न धर्मावलम्बियों की चित्तवृत्ति का इसमें अलग–अलग विकास होता है।

कोड :

(1) **(A)** सही **(R)** गलत

(2) **(A)** सही **(R)** सही

(3) **(A)** गलत **(R)** सही

(4) **(A)** गलत **(R)** गलत

43. **स्थापना** (Assertion) (A) : मिथक सार्वकालिक और सार्वदेशिक होते हैं।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि सभी देशों की जातीय अस्मिता और विश्वास एक जैसे हैं।

कोड :

(1) **(A)** गलत **(R)** गलत

(2) **(A)** सही **(R)** गलत

(3) **(A)** गलत **(R)** सही

(4) **(A)** सही **(R)** सही

44. **स्थापना** (Assertion) (A) : रहस्यभावना के लिए द्वैत की स्थिति भी आवश्यक है और अद्वैत का आभास भी।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि एक के अभाव में विरह की अनुभूति असम्भव हो जाती है और दूसरे के बिना मिलन की इच्छा आधार खो देती है।

कोड :

(1) **(A)** सही **(R)** सही

(2) **(A)** सही **(R)** गलत

(3) **(A)** गलत **(R)** गलत

(4) **(A)** गलत **(R)** सही

45. **स्थापना** (Assertion) (A) : भारतेन्दु युग आधुनिकता का प्रवेश द्वार है।

तर्क (Reason) (R) : क्योंकि भारतेन्दु युगीन साहित्य में पश्चिमी संस्कृति के संघात से शुद्ध भारतीयता का उदय हुआ।

कोड :

(1) **(A)** सही **(R)** गलत

(2) **(A)** गलत **(R)** गलत

(3) **(A)** सही **(R)** सही

(4) **(A)** गलत **(R)** सही

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

निर्देश : निम्नलिखित अवतरण को ध्यान से पढ़िये और उससे संबंधित प्रश्नों (प्रश्न **46** से **50**) के दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए।

''फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है; चित्त में यही आता है कि कर्म बहुत कम या बहुत सरल करना पड़े और फल बहुत-सा मिल जाये। श्रीकृष्ण ने कर्म-मार्ग से फलासक्ति की प्रबलता हटाने का बहुत ही स्पष्ट उपदेश दिया; पर उनके समझाने पर भी भारतवासी इस वासना से ग्रस्त होकर कर्म से तो उदास हो बैठे और फल के इतने पीछे पड़े कि गली में ब्राह्मण को एक पेठा देकर पुत्र की आशा करने लगे, चार आने रोज का अनुष्ठान कराके व्यापार से लाभ, शत्रु पर विजय, रोग से मुक्ति, धन-धान्य की वृद्धि तथा और भी न जाने क्या-क्या चाहने लगे। आसक्ति प्रस्तुत या उपस्थित वस्तु में ही ठीक कही जा सकती है। कर्म सामने उपस्थित रहता है। इससे आसक्ति उसी में चाहिए। फल दूर रहता है, इससे उसकी ओर कर्म का लक्ष्य काफी है। जिस आनंद से कर्म की उत्तेजना होती है और जो आनंद कर्म करते समय तक बराबर चला चलता है उसी का नाम उत्साह है।''

46. ''फल की विशेष आसक्ति से कर्म के लाघव की वासना उत्पन्न होती है।'' इस कथन के माध्यम से लेखक कहना चाहता है कि :

(1) कर्म करते समय फल के बारे में नहीं सोचना चाहिए।

(2) फल के बारे में अधिक आसक्ति से कर्म करने में रुचि घटती है।

(3) फल के बारे में अधिक आसक्ति से कर्म के प्रति उत्साह में इजाफा होता है।

(4) फल के लालच में जल्दी-जल्दी कर्म करना दुर्घटना का कारण हो सकता है।

47. ''श्रीकृष्ण ने कर्म मार्ग से फलासक्ति की प्रबलता हटाने का बहुत ही स्पष्ट उपदेश दिया था।'' से तात्पर्य है -

(1) श्रीकृष्ण ने कहा था कि सिर्फ कर्म करते जाओ और फल की चिन्ता न करो।

(2) श्रीकृष्ण ने कहा था कि कर्म करते जाओ सिर्फ फल की चिन्ता न करो।

(3) श्रीकृष्ण ने कहा था कि यदि तुम निष्ठापूर्वक कर्म करोगे तो फल अवश्य मिलेगा।

(4) श्रीकृष्ण ने कहा था कि फल में आसक्ति की अधिकता कर्म के प्रति उत्साह में बाधक होती है।

48. ''आसक्ति प्रस्तुत या उपस्थित वस्तु में ही ठीक कही जा सकती है।'' क्योंकि :

(1) जो प्रस्तुत नहीं है उसकी इच्छा संकट का कारण बन सकती है।

(2) जो प्रस्तुत नहीं है उसमें रुचि पैदा नहीं हो सकती है।

(3) कर्म प्रस्तुत होता है इसलिए उसके प्रति रुचि स्वाभाविक है।

(4) अप्रस्तुत की आकांक्षा मानसिक स्वास्थ्य की पहचान नहीं है।

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

49. चार आने रोज का अनुष्ठान कराके व्यापार से लाभ की आशा करना गीता के विरुद्ध क्यों है?

(1) इसमें वासना मिली हुई है।

(2) इसमें कम खर्च करके ज्यादा प्राप्त करने की लालसा है।

(3) इस कर्म में उत्साह के साथ लोभ जुड़ा है।

(4) इसके पीछे अंधविश्वास है।

50. उपर्युक्त अवतरण में 'फल की विशेष आसक्ति' से लेखक का क्या अभिप्राय है?

(1) कर्म के प्रति अत्यधिक अनुराग।

(2) फल के प्रति अत्यधिक लोभ।

(3) कर्म और फल दोनों के प्रति अत्यधिक लोभ।

(4) कर्म के प्रति अनुराग और फल के प्रति उदासीनता।

- o 0 o -

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/

Space For Rough Work

https://www.freshersnow.com/previous-year-question-papers/